CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 07 | बुधवार | 10 फरवरी 2021 | ₹1

बनें ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर

रेडियो दिवस

बेहतरीन आवाज और कंटेंट की समझ के साथ उत्कृष्ट लेखन, तो अवसरों की कमी नहीं ...

PAGE 03

PAGE 10

एजुकेशन

नॉलेज मैनेजमेंट से संबंधित कोर्स कर आप अपने भविष्य को नया आयाम दे सकते हैं...

नए दौर में अपनाएं नया दृष्टिकोण

मैं महान और अच्छे काम करना चाहती हूं, लेकिन यह मेरा परम कर्तव्य है कि मैं छोटे कामों को भी ऐसे करूं जैसे कि वे महान और नेक हों।
- हेलेन केलर

ऐसा माना जाता है कि मूल्य और विवेक प्राकृतिक विज्ञान से अलग हैं और हमारे व्यवहार एवं रवैये को काफी हद तक हमारा नैतिक मूल्यों का ढांचा तय करता है। फिर भी यह तो मानना होगा कि पिछले 70-80 वर्षों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कारण जीवन और पर्यावरण में बड़े स्तर पर हुए बदलावों ने अंधविश्वासों को कम कर दिया है।

आजकल इंटरनेट एवं प्रौद्योगिकी ने हर वर्ग के व्यक्ति को विश्वदृष्टि प्रदान की है। विश्वदृष्टि स्मृति, ज्ञान, व्यवहार, मूल्य, नजरिए आदि का संग्रह है; और यही वह चीज़ है जो किसी व्यक्ति के विचारों और क्रियाओं को दिशा देती है। आज हर कोई खुद को विश्वके केंद्र में रखकर शुरू कर सकता है। जब हम बाहर की ओर बढ़ते हैं, दुनिया में अवास्तविक सपने और कल्पनाएं हैं, स्वाद और पसंद हैं, जिनमें से कई को व्यक्त भी नहीं किया जा सकता। वे प्रतिबद्धताएं जो हमारे आचरण और निर्णय के लिए निर्धारिक और आवश्यक हैं, केवल वैज्ञानिक तरीके से प्राप्त नहीं हो सकतीं। 'क्या है' का ज्ञान सीधे-सीधे यह नहीं बताता कि 'क्या होना चाहिए' जो हमारी मानवीय आकांक्षाओं का लक्ष्य है। कोई भी फैसला लेने में प्यार, करुणा, दया, उत्साह और उल्लास बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसलिए तर्क, वास्तविकता से संबंध और यथासंभव वैज्ञानिक पद्धति का इस्तेमाल ही हमें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की राह प्रदान कर सकता है।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

रेडियो दिवस

आवाज में भविष्य

इस क्षेत्र में अगर आपके पास बेहतरीन आवाज के साथ-साथ अच्छा लेखन व प्रोग्राम प्रबंधन का हुनर है, तो आपके लिए अवसरों की कमी नहीं होगी...

बर्षा छाबरिआ
आर. जे., कम्युनिटी रेडियो

हाल फिलहाल में एफएम चैनलों के विस्तार के फलस्वरूप रेडियो के क्षेत्र में कॅरिअर के लिए अनेक संभावनाएं पैदा हुई हैं। ऐसे में आवाज के इस मंच को कई तरह से कॅरिअर के रूप में अपनाया जा सकता है। रेडियो के क्षेत्र में रेडियो जॉकी के अलावा भी कई विकल्प मौजूद हैं। इस क्षेत्र में एक बेहतरीन आवाज के साथ-साथ अच्छा लेखन, शानदार प्रोग्राम प्रबंधन का हुनर है, तो अवसरों की कमी नहीं होगी। आप म्यूजिक स्कएदुलिंग आदि विभिन्न रूपों में भी अपना कॅरिअर बना सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

न्यूनतम 12वीं पास होने के बाद मास - कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म से ग्रेजुएशन।

रेडियो में विभिन्न करियर के प्रावधान

- रेडियो जॉकी अर्थात रेडियो प्रस्तुतकर्ता
- कंटेंट हेड
- प्रोग्रामिंग हेड
- स्क्रिप्ट राइटर
- प्रोमो प्रोड्यूसर
- म्यूजिक स्केडुलेर
- साउंड इंजीनियर
- रेडियो प्रोड्यूसर
- फील्ड आरजे
- रेडियो सेल्स एंड रेडियो मार्केटिंग

रेडियो की विभिन्न भूमिकाओं में वांछित गुण

- **रेडियो जॉकी** बनने के लिए सुंदर और स्पष्ट बोलना अपेक्षित होता है। साथ ही समसामयिक घटनाओं का ज्ञान, संगीत की रुचि, बातों को नए ढंग से प्रस्तुत करने का हुनर।
- **कॉन्टेंट हेड** में रेडियो के कार्यक्रम के अलग प्रस्तुतीकरण, अलग नए थीम को शामिल करना, किसी नयी मुहिम को शुरू करना शामिल है।
- **प्रोग्रामिंग हेड** का कार्य म्यूजिक, आउटडोर आर.जे., प्रोड्यूसर, सेल्स सही के साथ टीम वर्क करना।
- **स्क्रिप्ट राइटर** न केवल प्रोग्राम बल्कि क्लाइंट्स के लिए विज्ञापन व लेखन करते हैं, कुछ विशेष कैप्सूल स्क्रिप्ट, ब्रांड इंटीग्रेशन, कैरेक्टर स्क्रिप्ट बनाना आदि होता है।
- **म्यूजिक स्केडुलेर** को बॉलीवुड एवं अन्य गीतों का ज्ञान होना चाहिए, किस समय कौन-सा गीत प्ले करना है, मौसम के अनुसार गीतों की फरमाईश पर उन्हें उपयुक्त तरीके से प्ले आउट में शामिल करना, आदि
- **साउंड इंजीनियर** को ऑडियो सॉफ्टवयेर पर काम करना आना चाहिए। एडिटिंग, मिक्सिंग का ज्ञान होना चाहिए। साउंड इफेक्ट्स व समयबद्ध तरीके से विज्ञापन बनाने का ज्ञान आदि होना चाहिए।

कहां से सीखें

कई संस्थान रेडियो जॉकी, रेडियो प्रोडक्शन, रेडियो प्रोग्राम प्रोडक्शन, रेडियो मैनेजमेंट आदि में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। आवाज की दुनिया में आवाज देने के आलावा भी आप जुड़ सकते हैं एवं अपना कॅरिअर बना सकते हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भविष्य

बनें ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर

हमारे देश में 60 फीसदी से ज्यादा जनसंख्या गांवों में रहती है। ऐसे में ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर के तौर पर युवाओं के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसे कर्मी ग्रामीण समुदाय के साथ मिलकर गावों में स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता फैलाने में मदद करने के साथ ही कम गंभीर बीमारियों का इलाज भी करते हैं और डेंगू, मलेरिया जैसे रोगों से बचने के भी उपाय बताते हैं।

-सुनंदा राव
सीनियर कॅरिअर काउंसलर

ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर एक मध्य स्तरीय स्वास्थ्य कर्मचारी होते हैं, जो सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का निदान और इलाज करने के लिए प्रशिक्षित किये जाते हैं, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में प्रारंभिक प्रबंधन यानी शुरुआती इलाज उपलब्ध करा सकें और आगे के इलाज के लिए गंभीर रूप से बीमार या घायल मरीजों को अस्पतालों तक पहुंचाया जा सके।

एक ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर हमारे देश की स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर की प्राथमिक जिम्मेदारियों में मामूली बीमारियों का इलाज करना, बुजुर्ग लोगों की देखभाल करना, गर्भवती महिलाओं और बच्चों की देखभाल करना इत्यादि शामिल होते हैं। इसके आलावा वह परिवार नियोजन सेवाओं, स्वच्छता के लिए जागरूकता फैलाना और स्वच्छता को बढ़ावा देना, संचारी यानी संक्रामक रोगों के लिए स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों का प्रदर्शन, स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों को इकट्ठा करना, रिकॉर्ड बनाए रखना और स्वास्थ्य ज्यादा खराब होने की की स्थिति में क्षेत्रीय लोगों को अस्पतालों तक पहुंचवाना आदि भी एक ग्रामीण स्वास्थ्य कर्मी का काम होता है। वे ग्रामीण समुदाय के सदस्यों के साथ विभिन्न तरह के कामों में भी हाथ बंटाते हैं, और मेडिकल प्रोफेशनल्स व शिक्षकों के लिए डेटा एकत्र करने से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने में भी मदद करते हैं।

ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर ग्रामीण समुदाय के साथ मिलकर गावों में स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता पर चर्चाएं करते हैं अथवा उन्हें आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ट्रेनिंग देते हैं और डेंगू, मलेरिया जैसे रोगों से बचने के भी उपाय बताते हैं।

कोर्स एवं शुरुआती वेतन

डिप्लोमा इन रूरल हेल्थ केयर का कोर्स करने के बाद आप बतौर कर्मचारी अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। इन्हें शुरूआती वेतन के तौर पर 10 हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक मिल सकता है। लेकिन अनुभव के आधार पर प्रोमोशन पाकर आप सुपरवाइजर और

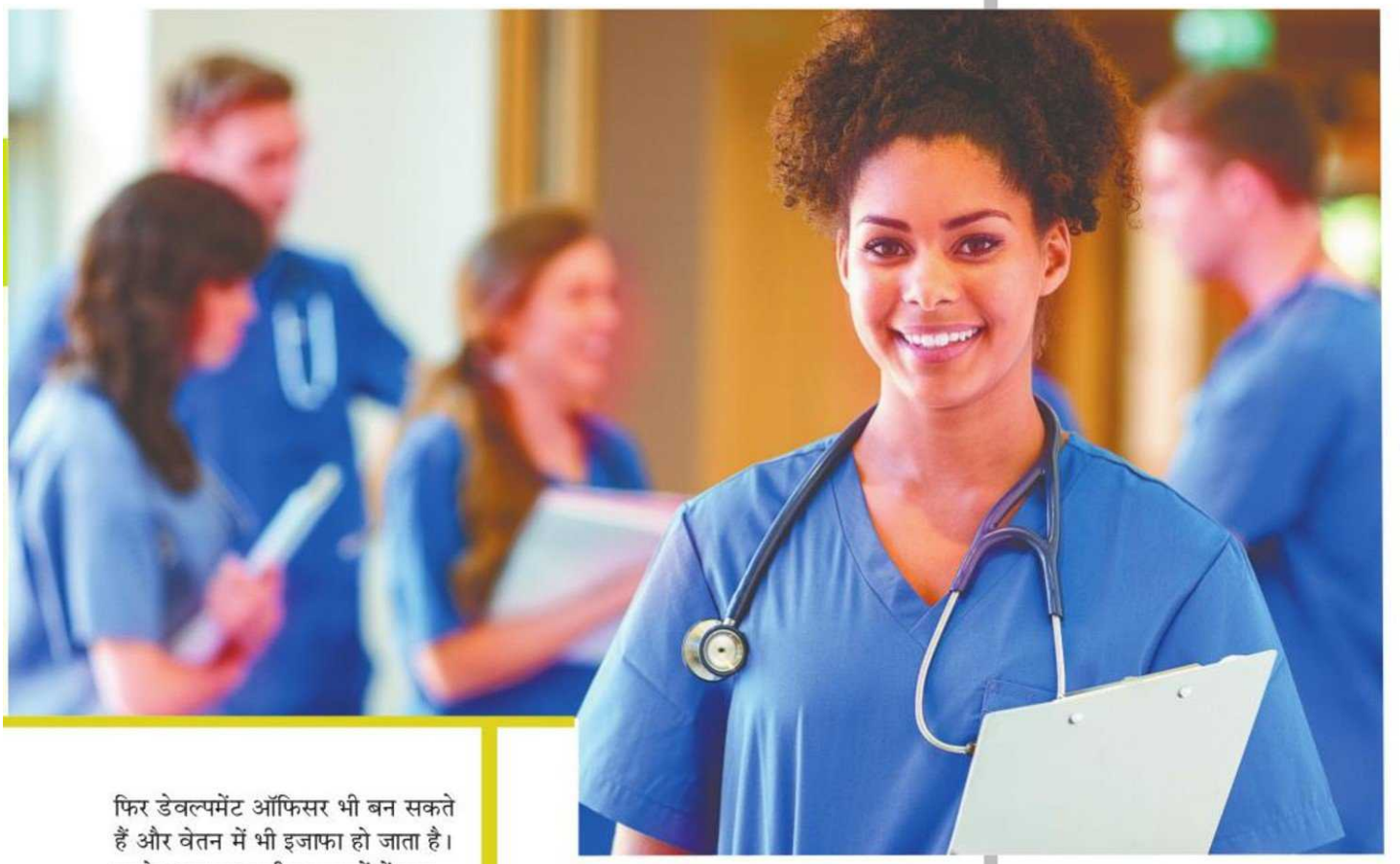

फिर डेवल्पमेंट ऑफिसर भी बन सकते हैं और वेतन में भी इजाफा हो जाता है। इसके आलावा ग्रामीण इलाकों में खुद का क्लीनिक संचालित किया जा सकता है। एक अन्य विकल्प जॉब करने का भी है। आप किसी प्राइवेट क्लिनिक में उचित वेतन पर काम कर अपने भविष्य को नया आयाम दे सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
  www.dpmiindia.com
- क्रैडल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज
  www.cmi-hm.com
- महर्षि मर्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी, अंबाला, हरियाणा
  www.mmumullana.org
- इंडियन मेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, जालंधर, पंजाब
  www.iminursing.in
- इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, कोलकाता
  www.iahs.co.in

कैसे बने ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर

ग्रामीण हेल्थ केयर वर्कर में करियर वही बना सकता है जिसमें सेवाभाव का जज्बा हो। जिसके मन में स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारियों को जड़ से निकाल फेंकने का सपना हो और शहरों से दूर ग्रामीण इलाको में रहने में कोई परेशानी ना हो। अगर आपमें यह सभी खूबियां हैं तो आप इस फील्ड को अपने करियर का रास्ता चुन सकते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए अभ्यर्थी को किसी भी संकाय से व मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होता जरुरी है। कोर्स के बारे मेंरूरल हेल्थ केयर में 1 वर्ष व 2 वर्ष का डिप्लोमा लेकर इस फील्ड में एक्सपर्ट बन सकते हैं और इस फील्ड से जुड़े हर एक कार्य को प्रैक्टिकली जान और समझ सकते हैं। कोर्स के दौरान उन्हें ग्रामीण इलाकों में आपातकालीन स्थिति या किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में किस तरह समुचित मेडिकल सुविधाओं का प्रबंध कराया जाए यह सिखाते हैं, उनकी तीमारदारी और सेवा कैसे की जाती है उसकी सीख दी जाती है। किन अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल कर के जागरूकता के संदेश लोगों तक पहुंचाया जाये वह बताते हैं। साथ ही किसी परेशानी के समय गर्भवती महिलाओं और बच्चों की देखभाल कैसे की जाए इसकी भी ट्रेनिंग भलीभांति दी जाती है।

कहां-कहां मौजूद हैं उज्ज्वल संभावनाएं

डिप्लोमा इन रूरल हेल्थ केयर का कोर्स करने के पश्चात बतौर कर्मचारी राज्य एवं केंद्र की सरकार के स्वास्थ्य विभाग, परिवार नियोजन मंत्रालय, पर्यावरण विभाग के अलावा सरकारी व गैर सरकारी एनजीओ में तो नौकरी कर ही सकते हैं बल्कि प्राइवेट आर्गेनाइजेशन की सीएसआर डिपार्टमेंट में भी नौकरी के विकल्प मौजूद होते हैं।

प्रिय पाठकों...

उड़ान में प्रकाशित लेख व जानकारियां कॅरिअर एवं एजुकेशन एक्सपर्ट्स द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। हम पूरी सावधानी से इन्हें प्रकाशित करते हैं। फिर भी, किसी जानकारी या लेख में आपको कोई त्रुटि लगे या उड़ान को बेहतर बनाने के लिए आपका कोई सुझाव/शिकायत हो, तो आप हमसे ask-toudaan@amarujala.com पर संपर्क कर सकते हैं।
- धन्यवाद।

श्रुति गुप्ता
संस्थापक 'द ब्लश बेकरी'

होटल इंडस्ट्री अतिथियों के प्रति सेवा भाव के अलावा रोजगार की दृष्टि से भी सर्वोत्तम क्षेत्र साबित हो रही है...

शेफ: एक बेहतरीन कॅरिअर विकल्प

'अतिथि देवो भव' की परंपरा के तहत भारत शुरू से ही विदेशी सैलानियों का गढ़ रहा है। बड़ी संख्या में पर्यटक यहां की संस्कृति एवं धरोहरों से रूबरू होने आते हैं। इनके आगमन मात्र से ही होटल मैनेजमेंट एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में चार चांद लग जाते हैं। इस सेक्टर में पाक कला (कुकिंग) के अवयवों को अपने अंदर समेटे हुए शेफ ऐसा कॅरिअर है, जो इंडस्ट्री के विकास के साथ-साथ परवान चढ़ रहा है। यदि आपमें धैर्य, क्रिएटिविटी एवं कठिन परिश्रम करने का माद्दा है, तो आप इसमें काफी आगे तक जा सकते हैं।

आंकड़ों की नजर में इंडस्ट्री

एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले 2-3 वर्षों में होटलों में 2.5 लाख अतिरिक्त कमरों एवं 1.5 लाख प्रोफेशनल्स की मांग होगी। एफएचआरएआई के पूर्व में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष तक भारत में 2,02,963 होटल के कमरे थे। इंडियन होटल इंडस्ट्री में अक्तूबर से लेकर अप्रैल तक काफी चढ़ाव देखा जाता है, जबकि बारिश के दिनों में इसमें गिरावट दर्ज की जाती है।

शेफ का कार्यक्षेत्र

एग्जिक्यूटिव शेफ: इस रूप में प्रोफेशनल्स मेन्यू तैयार करने, प्रबंधन का कार्य, बिजनेस से जुड़े मसले के साथ-साथ किचन की सभी चीजों को नियंत्रित करने का कार्य कर सकते हैं।

सॉस शेफ: यह शेफ के असिस्टेंट के रूप में कार्य करते हैं तथा मेन्यू प्लानिंग, कॉस्ट तय करने व ऑर्डर संबंधी कार्य देखते हैं।

कुक एवं असिस्टेंट: इनका कार्य विशेष तौर पर किचन में होता है, जिन्हें तरह-तरह के व्यंजन जैसे चाइनीज, फ्रेंच, इटैलियन, साउथ इंडियन आदि बनाने होते हैं।

संबंधित योग्यता

शेफ बनने के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 निर्धारित की गई है। इससे संबंधित कई सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जाते हैं। बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट छात्रों को इसके लिए प्रमुखता से ट्रेंड करता है। सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह माह से लेकर एक साल तक होती है।

संभावनाएं

एक कुशल शेफ के लिए होटल, रेस्तरां, एयर कैटरिंग, फूड प्रोसेसिंग कंपनी, कंफेक्शनरीज में कैटरिंग, क्रूज लाइनर एवं कॉरपोरेट कैटरिंग आदि में कई अवसर सामने आते हैं। टूरिज्म इंडस्ट्री भी रोजगार देने के मामले में अव्वल है।

वेतनमान

ट्रेनिंग के बाद आपका वेतन 15 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह के रूप में शुरू होती है।

प्रमुख संस्थान

- ओबेरॉय स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट, नई दिल्ली
  www.oberoihotels.com
- हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म, आगरा
  www.hihworld.com
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
  www.ipu.ac.in

महकाएं फूलों से अपना कॅरिअर

आजकल हाथ से बने फूलों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। फ्लावर मेकिंग में नए डिजाइनों का प्रयोग करके नाम तथा दाम दोनों कमाए जा सकते हैं....

फूल, कली गुल , तितली, भवरें आदि का नाम लेते ही मन खिलने लगता है। फिर चाहे जितनी उदासी हो । कोरोना काल में यह जगजाहिर है कि लाखों नोकरियां या काम धंधे हाथो से जाते रहे। ऐसे में नए विकल्पों की तलाश जरूरी है। जो अपनी रुचि के हो तथा कमाई और व्यस्तता जे साधन बने ओर यह एक नवाचार भी हो। ऐसे में घर बैठे एक बेहतर करियर ऑप्शन हो सकता है प्लावर डिजाइनर बनना । एकदम कम लागत में आप खुद का छोटा सा बिजनेस डाल सकते है।

फूल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है जो शादी , जन्मदिन, स्वर्णजयंती मीटिंग्स, अन्य रोजमर्रा के ढेरों आयोजनों में अपनी उपस्थिति सबसे पहले दर्ज कराता है। हर छोटे से बड़े समारोह ताजे और आर्टिफिशियल फूलों की सजावट से खूबसूरत बनाये जाते है। कहते है भारत मे वर्तमान में फ्लोरल इंडस्ट्रीज का कारोबार 100 करोड़ से भी अधिक बढ़ चुका है। सजावट के लिए बढ़ती फूलों की मांग ताजे फूलों से तो पूरी नहीं हो सकती है क्योंकि क्योकि इतना उत्पादन हो तो भी समय पर फूलों को नियत स्थान पर पहुचाना भी एक टास्क ही है। ऐसे में आर्टिफिशियल फूलों यानी मशीनों तथा हाथ से बने फूलों का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसी के चलते फ्लावर मेकिंग में नई नई डिजाइनों का उपयोग करके नाम तथा दाम दोनों कमाया जा सकता है। एक सर्वे के मुताबिक वर्तमान में फूलों की जितनी डिमांड है ताजा फूलों से वह आठ प्रतिशत ही पूरी हो पाती है। बाकी तो आर्टिफिशियल फूल ही पूरी करते है। आर्टिफिशियल फूलों के एक्सपर्ट की माने तो इन फूलों का व्यवसाय इसलिये भी बढ़ रहा है कि एक से अधिक दिन का डेकोरेशन हो तो ये फूल खराब नहीं होते उन्ही डिजाइनों में बदलाव करके दो से तीन दिन वही खूबसूरती बनी रह सकती है। इनमे बुके तथा झालरों के रूप में भी सजावट बहुत चलन में है । जो दरवाजो से लेकर दीवारों तथा सीढ़ियों की शोभा में चार चांद लगा देती है। एक खूबी आर्टिफिशियल फूलों की यह भी होती है कि इनमें डेकोरेशन के अन्य सामग्रियों से खूबसूरती तो बढ़ती ही है साथ ही न तो गंदगी होती है ओर न मुरझाने का डर।

कैसे बनें फ्लॉवर डिजाइनर

वैसे तो डी ए वी वी इंदौर तथा मुद्रा इंसिट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन अहमदाबाद के अलावा भी कई जगह ग्रेजुएशन की डिग्री फ्लॉवर डेकोरेशन में होती है। विशेषज्ञों के अनुसार फ्लोरीकल्चर टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट में बी एस सी भी कर सकते है। लेकिन यदि आपमे क्रिएटिविटी का हुनर है तो आप खुद अपने नए नए डिजाइन बना सकती है।

छोटा काम छोटी जगह

छोटे स्तर पर आप एक कमरे से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। लेकिन हां आप इस काम को बड़े स्तर पर करना चाहते हो, तो आपको एक बड़े हाल की जरूरत पड़ेगी। आर्टिफिशियल फूलों से ज्यादा ताजे फूलों के रखरखाव में जगह ज्यादा ही लगती है।

-रेणु जैन

फ्लॉवर के अलावा जरूरी उपकरण

फ्लावर को नए रूपो में सजाने के लिए कैंची, तार, कटर, गोंद, ब्रश, धागा, टिशू पेपर गत्ते, ग्लास, प्लास्टिक पत्तियां, टोकरियां , प्लास्टिक गमले के अलावा कई अन्य डेकोरेशन के आइटम की जरूरत होती है। ये ज्यादा जगह भी नहीं घेरते और आसानी से उपलब्ध होते है। बस इसके लिए जरूरी है आपका क्रिएटिव होना ।

बिक्री : यदि आप बुके या अन्य फ्लावर से बने अपने सजावटी सामान घर से ही बना रहे है, तो आपको कुछ खास सेलिंग पॉइंट से कॉन्टेक्ट करना पड़ेगा। ये सेलिंग पॉइंट होटल, डेकोरेटर्स, मॉल, रेस्टोरेंट, बड़े बड़े शो रूम हो सकते है। कोरोना काल में घर से व्यवसाय शुरू करने का यह एक नया ऑप्शन हो सकता है।

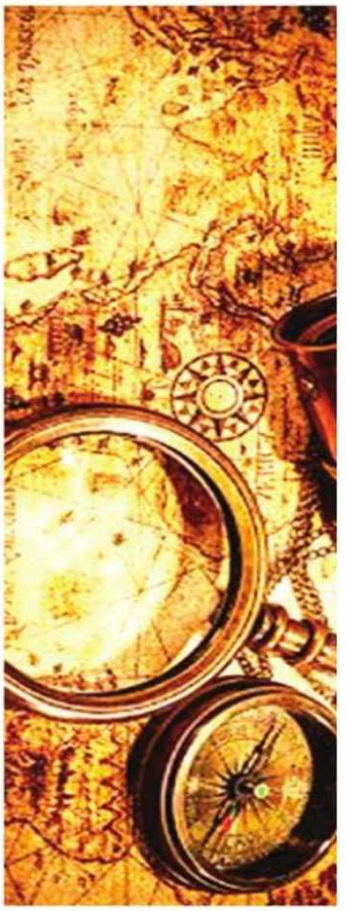

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत का बाइबिल ग्रंथ सम्बंधित है। (Uttar Pradesh BEO Exam 2020)

(a) नाट्यशास्त्र (b) सुरसागर
(c) नाद विनोद (d) सूफ़ीनामा

जवाब; (a) नाट्यशास्त्र

व्याख्या; नाट्य शास्त्र एक संस्कृत ग्रन्थ है, जिसकी रचना भरत मुनि ने की थी। इसमें कला को प्रदर्शित करने वाले 6000 काव्य छंदों के कुल 36 अध्याय हैं। इस ग्रन्थ में प्रारम्भिक संगीत सम्बंधी शास्त्रीय विधान के अतिरिक्त नाटकीय रचना, नाटक की संरचना तथा इसके आयोजन के लिए मंच का निर्माण, अभिनय की शैलियां, शरीर की गति, श्रृंगार, वेशभूषा, एक कला निर्देशक की भूमिका तथा लक्ष्य, संगीत वाद्ययंत्र और कला प्रदर्शन के साथ संगीत के एकीकरण को शामिल किया गया है।

ग्रीस के सम्बंध में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही हैं? (Uttar Pradesh BEO Exam 2020)

1. ग्रीस ने कातेरीना साकेरारोपोलू को प्रथम महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना है।
2. कातेरीना साकेरारोपोलू पहली राष्ट्रपति हैं जो किसी राजनीतिक दल से सम्बंधित नहीं हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें।

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2, दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

जवाब; (c) 1 और 2 दोनों

व्याख्या; कातेरीना को मार्च 2020 में ग्रीस का प्रथम महिला राष्ट्रपति चुना गया है। ग्रीस में वरिष्ठ पदों पर महिलाओं की संख्या बेहद कम है। ऐसे में कातेरीना का राष्ट्रपति चुना जाना ग्रीस के इतिहास में दर्ज हो गया है। कातेरीना इससे पहले हाईकोर्ट की जज रह चुकी हैं। उन्हें संसद में विपक्षी दल के सांसदों का भी वोट हासिल हुआ है। विपक्षी दलों ने इस चुनाव में उनका समर्थन किया। वह काउंसिल ऑफ स्टेट ऑफ ग्रीस की पहली महिला प्रमुख भी हो गई हैं। वह कमांडर इन चीफ भी बन गई हैं, जो एक औपचारिक पद है। ग्रीस में राष्ट्रपति सरकारों और कानूनों को मंजूरी देते हैं। साथ ही सरकार के साथ मिलकर युद्ध की घोषणा करने की शक्ति भी उनके पास होती है।

शतसाहस्त्री संहिता निम्नलिखित में से किस ग्रंथ का उपनाम है? (Uttar Pradesh BEO Exam 2020)

(a) ऋग्वेद
(b) अथर्ववेद
(c) रामायण
(d) महाभारत

जवाब; (d) महाभारत

व्याख्या; महाभारत को शतसाहस्त्री संहिता कहा जाता है क्योंकि इसमें एक लाख श्लोक हैं और शत सहस्त्र का मतलब एक लाख होता है। महाभारत 18 पर्व में विभक्त है इसमें 8800 श्लोक थे, इसे जय संहिता कहा जाता था। जब महाभारत में 24000 श्लोक हो गये तो इसे भारत कहा गया, पुनः इसमें 100,000 श्लोक हो गये तब इसे महाभारत नाम दिया गया, इसे शतसाहस्त्री संहिता के नाम से भी जाना जाने लगा। महाभारत की कथा का प्रारम्भिक उल्लेख 'आश्वलायन गृहसूत्र' में मिलता है

निम्नलिखित में से किस प्रमुख कारण से महात्मा गांधी ने 1922 में असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था? (Uttar Pradesh BEO Exam 2020)

(a) अधिकांश नेता गिरफ़्तार कर लिए गए थे और जेल में थे।
(b) अंग्रेज़ पार्टी की माँगें मानने के लिए तैयार हो गए थे।
(c) आंदोलन की सफलता की सम्भावना नहीं बचीं थीं।
(d) चौरी चौरा में हुई हिंसा।

जवाब; (d) चौरी चौरा में हुई हिंसा

व्याख्या; महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के दौरान 4 फरवरी 1922 को यह पता चलने पर की चौरी-चौरा पुलिस स्टेशन के थानेदार ने मुंडेरा बाज़ार में कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मारा है, गुस्साई भीड़ ने पुलिस थाने में आग लगा दी थी। इसमें 23 पुलिस वालों की मौत हो गई थी। इस हिंसा के बाद महात्मा गांधी ने 12 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था। महात्मा गांधी के इस फैसले को लेकर क्रांतिकारियों का एक दल नाराज़ हो गया था। 16 फरवरी 1922 को गांधीजी ने अपने लेख 'चौरी चौरा का अपराध' में लिखा कि अगर ये आंदोलन वापस नहीं लिया जाता तो दूसरी जगहों पर भी ऐसी घटनाएँ होतीं।

असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 4 सितंबर 1920 को पारित हुआ था। गांधीजी का मानना था कि अगर असहयोग के सिद्धांतों का सही से पालन किया गया तो एक साल के अंदर अंग्रेज़ भारत छोड़कर चले जाएंगे।

अफ्रीका के निम्नलिखित में से किस देश में भारत ने अपना प्रथम गांधी कन्वेंशन सेंटर जनवरी 2020 में खोला है? (UP BEO Exam 2020)

(a) नाइज़र
(b) नाइजीरिया
(c) जिंबाबे
(d) दक्षिण अफ्रीका

जवाब; (a) नाइज़र

व्याख्या; इस केंद्र की स्थापना नाइज़र में की गई है। महात्मा गांधी की स्मृति को सम्मानित करने के लिए भारत द्वारा अफ्रीका में पहला सम्मेलन केंद्र स्थापित किया गया था। केंद्र का उद्घाटन विदेश मंत्री एस जयशंकर और नाइजर के राष्ट्रपति महामदौ इस्सौफौ के अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से किया। श्री जयशंकर अपनी पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजर की राजकीय यात्रा पर हैं। वह पश्चिम अफ्रीकी देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय विदेश मंत्री हैं।

सन 2020 में COP 26 का आयोजन की शहर में किया जाना था? (UP Constable Exam 2020)

(a) ग्लासगो
(b) मैड्रिड
(c) हेलसिंकी
(d) फ्रैंकफर्त

जवाब; (a) ग्लासगो

व्याख्या; 1 अप्रैल 2020 को संयुक्त राष्ट्र ने नवंबर 2020 में ग्लास्गो (स्कॉटलैंड) में प्रस्तावित कोप- 26 (CoP- Conference of parties) के आयोजन को स्थगित करने का निर्णय लिया।इसके आयोजन को वर्ष 2021 तक स्थगित किया गया। यह निर्णय कोविड-19 के खतरे तथा विश्व पर इसके प्रभाव के कारण लिया गया। ज्ञातव्य है कि कोप- 25 का आयोजन वर्ष 2019 में मेड्रिड (स्पेन) में हुआ था। यह संयुक्त राष्ट्र का अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पर कन्वेंशन (UNFCCC) का सम्मेलन है।

वह कौनसा अंतिम वर्ष था जब रेलवे और केंद्रीय बजट अलग-अलग पेश किया गया था? (Uttar Pradesh Constable Exam 2020)

(a) 2016
(b) 2012
(c) 2018
(d) 2007

जवाब; (a) 2016

व्याख्या; केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगले वित्त वर्ष (2017-18) से केंद्रीय बजट और रेल बजट को अलग– अलग पेश करने की परंपरा को खत्म करने का फैसला किया गया था। अतः 2016 वह अंतिम वर्ष था। इस फ़ैसले ने 92 वर्षों से चले आ रहे बजट को पेश करने के औपनिवेशिक विरासत को खत्म कर दिया। भारतीय रेलवे दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था है। यह 13 लाख (1.3 मिलियन) लोगों को रोजगार दे रही है और प्रत्येक वर्ष यह करीब 40 अरब रुपयों (596.81 मिलियन डॉलर) का शुद्ध लाभ कमाती है। रेल बजट को अलग से पेश किए जाने की शुरुआत 1924 में हुई थी और स्वतंत्रता के बाद भी संवैधानिक प्रावधानों की बजाए परंपरा के तौर पर ऐसा किया जाना जारी रखा गया।

वर्ष 1773 से 1775 तक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन थे? (UP Constable Exam 2020)

(a) वारेन हेस्टिंग्ज़
(b) लॉर्ड मिण्टो
(c) जार्ज वाट्सन
(d) विलियम जार्ज वॉकर

जवाब; (a) वारेन हेस्टिंग्ज़

व्याख्या; जब ईस्ट इंडिया कंपनी भारत आई तो उसने 'बंगाल के गवर्नर') पद के माध्यम से बंगाल पर अपना नियंत्रण स्थापित किया। बंगाल के पहले गवर्नर 'रॉबर्ट क्लाइव' थे।रेगुलेटिंग एक्ट-1773 के पारित होने के बाद 'बंगाल के गवर्नर' पद का नाम बदलकर 'बंगाल का गवर्नर-जनरल' रख दिया गया। बंगाल के पहले गवर्नर-जनरल थे।

स्वतंत्र भारत के पहले रक्षा मंत्री थे? (UP Constable Exam 2020)

(a) कैलाशनाथ काटजू
(b) वी के कृष्ण मेनन
(c) यशवंतराव चव्हाण
(d) बलदेव सिंह

जवाब; (d) बलदेव सिंह

व्याख्या; बलदेव सिंह भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ एवं प्रथम रक्षामंत्री थे। वे 1947 से 1952 तक भारत के रक्षामंत्री रहे।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

वर्क फ्रॉम होम के साथ पर्सनल केयर के लिए बीएनपीएल

अब तक स्मार्टफोन की खरीद में मुख्य रूप से लोकप्रिय Buy Now Pay Later (BNPL) के ट्रेंड ने अब नई कैटेगरी में भी कदम रख दिया है और लोग अब गारमेंट्स, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट और अपनी रसोई को आधुनिक बनाने का काम भी बीएनपीएल के तहत ही करने लगे हैं। यहां तक कि वर्क फ्रॉम होम के माहौल में अपने बालों के झड़ने और इनके कमजोर होने का इलाज भी लोग इसी थ्योरी के आधार पर करने लगे हैं।

निष्कर्षों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी के लोग पर्सनल केयर, बालों के झड़ने और इनके कमजोर होने का इलाज भी बीएनपीएल के तहत ही करने लगे हैं। मुंबई के बाद दिल्ली और बेंगलुरू में Mswipe के व्यापारियों ने देखा है कि इस सेगमेंट में मेट्रो शहरों में अधिक लोगों द्वारा ट्रांजेक्शन किया जा रहा है और ऐसा संभवतः कोविड-19 के कारण उपजी चिंता की वजह से है। इसके अलावा, दिल्ली के लोग अपने किचन को आधुनिक बनाने के लिए जरूरी उपकरण भी बीएनपीएल के तहत ही खरीद रहे हैं।

देश में सबसे बड़े पीओएस अधिग्रहणकर्ता और एसएमई के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल इनेबलर Mswipe द्वारा विभिन्न मर्चेंट श्रेणियों में बीएनपीएल के तहत किए गए लेनदेन के आकलन के दौरान ये जानकारियां सामने आई हैं। Mswipe अपनी ब्रांड ईएमआई ऑफरिंग्स के माध्यम से एसएमई को मोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एजुकेशन, हेल्थ, फर्नीचर, वेलनेस और लक्जरी सेगमेंट के लिए बीएनपीएल या चेकआउट फाइनेंस प्रदान करता है।

Mswipe के फाउंडर और सीईओ मनीष पटेल ने कहा, ''निष्कर्ष बताते हैं कि उपभोक्ताओं के व्यवहार में, उनकी जीवन शैली से संबंधित विकल्पों और उनकी फाइनेंस संबंधी प्राथमिकताओं में एक मौलिक बदलाव आया है। ईएमआई की ओर लोगों के बढ़ते रुझान से ऐसे छोटे कारोबारों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, जो अब तक अपने ग्राहकों के लिए प्रोत्साहन के रूप में चेकआउट फाइनेंस का उपयोग नहीं कर रहे हैं।''

बालों के झड़ने और इनके कमजोर होने के इलाज पर औसतन 43,000 रु. खर्च किए जा रहे हैं, जो शहरी लोगों में बालों से संबंधित समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

कंपनियों और संगठनों में ज्ञान का प्रबंधन

वास्तव में, ज्ञान प्रबंधन संगठनात्मक लक्ष्यों से जुड़ा हुआ होता है। आज के समय में ज्ञान प्रबंधन इतना महत्वपूर्ण है कि अनेक संगठनों ने एक नए पद 'मुख्य ज्ञान अधिकारी' की रचना की है...

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर

किसी भी संगठन में ज्ञान प्रबंधन का आशय यह है कि उस संगठन के कर्मचारी सही समय पर सही ज्ञान (जो की उनके कार्य से सम्बंधित है) सहजता से प्राप्त कर सकें। यह महत्वपूर्ण है कि किसी भी संगठन में कार्य प्रक्रियाओं से संबंधित कोई भी ज्ञान खो न जाये। प्रभावी ज्ञान हस्तांतरण के लिए यह आवश्यक है कि संगठन के सभी कर्मचारी इस बात से अवगत हों कि वे संगठन में किस व्यक्ति / स्थान से, कौन सा ज्ञान, कैसे हासिल कर सकतें हैं। ज्ञान अनुभव, मूल्यों, प्रासंगिक जानकारी, विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि और अंतर्ज्ञान का एक तरल मिश्रण है जो नए अनुभवों और सूचनाओं के मूल्यांकन में तथा उन्हें स्मरण में शामिल करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।

ज्ञान को कई तरह से वर्गीकृत किया जा सकता है, उदाहरण के लिए प्रकट ज्ञान और अनुक्त ज्ञान। किसी दस्तावेज़ में निहित ज्ञान को प्रबंधित (अर्थात संग्रहीत, पुनर्प्राप्त, अद्यतन) करने के तरीके किसी शिल्पकार या कारीगर द्वारा वर्षों की मेहनत से हासिल किए गए ज्ञान को प्रबंधित करने की तुलना में पूर्ण रूप से अलग होंगे। ज्ञान के और भी अन्य महत्वपूर्ण रूप हैं, जैसे कीः लोगों में सन्निहित ज्ञान, प्रक्रियाओं में अंतर्निहित ज्ञान, और, विभिन्न संस्कृतियों एवं संरचनाओं में छिपा हुआ ज्ञान। ज्ञान किसी विशेषज्ञ के दिमाग में, या किसी विभाग में, या किसी पुरानी फ़ाइल में, या किसी विशिष्ट टीम में छिपा हो सकता है। किसी भी संगठन में ज्ञान प्रबंधन तभी प्रभावी हो सकता है जब उस संगठन के कर्मचारी उस ज्ञान तक पहुँच सकें एवं उस ज्ञान का अपने कार्य में इस्तेमाल कर सकें। ज्ञान प्रबंधन के चरणः

- आवश्यकता, ज्ञान स्रोत व संसाधनों की पहचान एवं अनुप्रयोग
- ज्ञान का भंडारण ताकि ज्ञान खो न जाए और नकल भी न हो।

ज्ञान प्रबंधक के कर्तव्य

- ज्ञान प्रबंधन रणनीति तैयार करना,
- ज्ञान प्रबंधन कार्यों को संभालना,
- संगठन में परिवर्तन प्रबंधन में मदद करना,
- संगठन में ज्ञान हस्तांतरण में मदद करना।

ज्ञान प्रबंधन मॉडल

खोजना एवं अनुसन्धान करनाः सूचना और डेटा के भीतर मौजूदा ज्ञान और छिपे हुए ज्ञान की खोज करना। संगठन में ज्ञान की प्राप्ति के लिए अनेक स्रोत होते हैं, जैसे कि प्रतियोगियों, आपूर्तिकर्ताओं, कर्मचारियों, प्रक्रियाओं, मीडिया और ग्राहकों से ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। *ज्ञान को व्यवस्थित कर मूल्यांकन करनाः* ज्ञान का वर्गीकरण और मूल्यांकन करके ज्ञान की उपयोगिता बढ़ाई जाती है।

ज्ञान प्रबंधन – आवश्यकताओं के आधार पर ज्ञान का उपयोग, पुनः उपयोग और अद्यतन करना। नवीनतम संचार के साधन, कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण, सहयोगी प्रबंधन उपकरण, वेब 2.0, एंटरप्राइज 2.0 और नॉलेज मैनेजमेंट 2.0, इंट्रानेट और इंटरनेट, कम्प्यूटरीकृत प्रणाली, कम्प्यूटरीकृत दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली, इत्यादि से ज्ञान प्रबंधन आसान हो जाता है।

उत्कृष्ट पुस्तकें

- हिरोताका तकेउचि और एकुजीरो नोनका द्वारा लिखित द नॉलेज क्रिएटिंग कंपनी
- एड्ना पशर और तुवया रोनेन द्वारा लिखित द कम्पलीट गाइड टू नॉलेज मैनेजमेंट
- थॉमस स्टीवर्ट द्वारा लिखित इंटेलेक्चुअल कैपिटल

स्वास्थ्य

मधुमेह का उपचार प्रकृति के साथ

शहर में रहने और काम काजी होने के कारण बदलती जीवन शैली में खान-पान पर नियंत्रण करना और प्रकृति से जुड़े रहना ही स्वास्थ्य की कुंजी है। आजकल शहरों में मधुमेह यानी शुगर की बीमारी एक आम बात हो गई है। ऐसा कहना है डॉक्टर और डायटीशियन शीनू संजीव का।

डॉ. शीनू मानती हैं कि प्रकृति से जुड़ कर अपने नित जीवन में प्राकृतिक उपचारों को अपना कर इससे राहत पाना संभव भी है और आसान भी। डायबिटीज का प्राकृतिक उपचार ऐसे किया जा सकता है:

नीम : सुबह दांत नीम के दांतून से करें। नीम का रास निगल लेना चाहिए। डायबिटीज में यह रामवाण है।

दाल चीनी : हर रोज खाने में दाल चीनी का लगभग एक ग्राम का सेवन मधुमेह यानी डायबिटीज में अचूक उपाय है।

आंवला: आंवले के जूस में हल्दी मिलाकर हर रोज़ नियमित तौर से सेवन करने पर शुगर लेवल नियंत्रण में रहता है।

काले जामुन : जिन्हें डायबिटीज की शिकायत है उन्हें काले नमक के साथ काले जामुन का सेवन करना चाहिए इससे शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है

करेला : करेले का कड़वापन डायबिटीज में जादू का काम करता है। हर सुबह खाली पेट करेले का जूस आपको डायबिटीज से दूर रखेगा। न केवल इससे डायबिटीज कंट्रोल में रहती है वरन लगातार इसका सेवन करने से यह सम्पूर्णतः समाप्त हो सकती है।

मेथी: मेथी के दाने को पीस कर उसका चूरन बना लें और हर सुबह खाली पेट सेवन करें।

तुलसी: तुलसी के पत्ते खाली पेट हर रोज खाने का नियम बना लीजिये। डायबिटीज में लाभ मिलता है।

सौजन्य: बर्षा छाबरिआ

PROFILE

सकारात्मकता की प्रेरणा देती एक लाइफ कोच

वैश्विक महामारी कोरोना काल में हर उम्र के इंसान को जिस एक चीज ने विषम परिस्थितियों में भी सशक्त बनाये रखा वह है निरंतर सकारात्मक सोच को बनाये रखना। ऐसा ही एक उदाहरण प्रस्तुत किया है जानी मानी लाइफ कोच संगीता काबरा ने...

प्रत्येक व्यक्ति अलग तरीके से व्यवहार करता है। अलग विचारों को मानता है। किंतु विषम स्थितियों में जहां निर्णय लेना कठिन हो और मार्गदर्शन की जरुरत पड़े, एक जीवन प्रशिक्षक अर्थात लाइफ कोच आपकी मदद करता है। जीवन के कठिन क्षणों में अपने ही द्वारा अपनी मुश्किलों का समाधान करने के लिए एक लाइफ कोच सहयोग करता है। चाहे वह पारिवारिक हो या, व्यक्तिगत या व्यावसायिक या फिर जीवन में कोई बड़ा निर्णय लेने की स्थिति, वह हर मोड़ पर उपयोगी है।

संगीता काबरा परफेक्ट यू ब्रांड की निदेशिका भी हैं और एक सर्टिफाइड एनएलपी कोच भी हैं। वे बताती हैं की एक लाइफ कोच कई चीजों में मदद करता है-

- नकारात्मकता की स्थिति में सकारात्मक सोच देना।
- व्यक्ति की दुविधा को दूर करना।
- व्यक्ति की विशेषता को उभारना।
- परिस्थिति के अनुसार ढलने की सलाह देना।
- उचित मार्ग दर्शन करना
- उचित अनुचित का ज्ञान कराना
- व्यापर जगत का ज्ञान।
- पारिवारिक उलझनों में मदद।
- आवश्यकता पड़ने पर अधिक समय देना।
- संयम अर्थात स्वयं पर नियंत्रण
- दृढ़ निश्चय के लिए प्रेरित करना।
- ऑनलाइन या ऑफलाइन सलाह।
- फॉलो अप करते रहना।

इन सभी गुणों से औतप्रोत संगीता काबरा बदलते समाज में बदलती जीवन शैली में उलझनों से जूझते इंसानो को हौसला प्रदान करती हैं, उन्हें नकारात्मकता से बचाते हुए सकारात्मकता से आगे बढ़ने को प्रेरित करती आ रहीं हैं।

लंबे समय से इसी क्षेत्र में काम कर रहीं संगीता काबरा युवाओं से लेकर विभिन्न उम्र के लोगों को जीवन की दुविधाओं और मुश्किलातों से उबारने के लिए उनमें व्यवहारिकता के भाव पैदा करती हैं। उनके इन्हीं प्रयासों से अनेक युवाओं ने अपनी मंजिल तय की है और एक सफल इंसान बनने की तरफ कदम बढ़ाएं हैं। संगीता काबरा मानव संवेदनाओं को समझते हुए सही राह दिखाती हैं।

तख्तापलट : सेना के नियंत्रण में म्यांमार

देश के पहले उप राष्ट्रपति माइंट स्वे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया है...

भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को सेना ने लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार को बर्खास्त कर दिया और तख्तापलट करते हुए सत्ता अपने हाथ में ले ली। सेना ने देश की सर्वोच्च नेता आंग सान सू की समेत शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर देश में एक साल तक आपातकाल लगा दिया है। भारत ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए कहा है कि वह हालात पर करीबी नजर रखे हुए है। दूसरी तरफ, अमेरिका ने धमकी दी है कि म्यांमार की सेना वहां के शीर्ष नेताओं को तुरंत रिहा करे अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने भी सू की व शीर्ष नेताओं को हिरासत में लेने की निंदा की है।

10 साल पहले अपनाई थी लोकतांत्रिक प्रणाली

म्यांमार में 10 साल पहले लोकतांत्रिक प्रणाली अपनाई गई लेकिन देश में एक बार फिर सैन्य शासन लौट आया है। म्यांमार की राजधानी नेपीता और मुख्य शहर यंगून में सड़कों पर सैनिक मौजूद हैं। यहां बख्तरबंद वाहन गश्त कर रहे हैं और कई शहरों में इंटरनेट और सोशल मीडिया को बंद कर दिया गया है। राष्ट्रपति के दस्तखत वाली एक घोषणा के मुताबिक देश की सत्ता अब कमांडर-इन-चीफ ऑफ डिफेंस सर्विसेस मिन आंग ह्लाइंग के हाथों में रहेगी। देश के पहले उप राष्ट्रपति माइंट स्वे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया है। उन्हें सेना प्रमुख का भी दर्ज दिया गया है।

सेना ने कहा, आपातकाल के बाद होंगे चुनाव

म्यांमार की सेना ने कहा कि देश में एक साल का आपातकाल खत्म होने के बाद चुनाव होंगे। इस दौरान चुनाव आयोग में सुधार किया जाएगा और पिछले साल नवंबर में होने वाले चुनावों की समीक्षा भी की जाएगी। सेना ने दोहराया कि 8 नवंबर, 2020 को चुनावों में बड़े पैमाने पर मतदान के दौरान धोखाधड़ी हुई थी। इस चुनाव में नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी ने 83 फीसदी सीटें जीत ली थीं। सेना और सरकार के बीच तभी से तनाव था जिसकी परिणति तख्तापलट के साथ हुई है।

सेना ने दी थी संविधान खत्म करने की चेतावनी

संसद के नए सत्र से पहले सेना ने चेतावनी दी थी कि चुनाव में वोट के फर्जीवाड़े की शिकायत पर यदि कार्रवाई नहीं हुई तो सेना कदम उठाएगी। इस हफ्ते सैन्य प्रवक्ता द्वारा तख्तापलट की संभावनाओं को खारिज करने से इनकार करने के बाद से ही देश में सियासी तनाव बढ़ गया था। वहीं, कमांडर इन चीफ ने यहां तक कह दिया कि यदि संविधान का पालन नहीं किया गया तो उसे वापस ले लिया जाएगा।

लंबे समय नजरबंद रही सू की

म्यांमार में 2011 तक सेना का शासन रहा है। आंग सान सू की ने कई साल तक देश में लोकतंत्र लाने के लिए लड़ाई लड़ी। इस दौरान उन्हें लंबे समय तक घर में नजरबंद रहना पड़ा। लोकतंत्र आने के बाद संसद में सेना के प्रतिनिधियों के लिए तय कोटा रखा गया। संविधान में ऐसा प्रावधान किया गया कि सू की कभी राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकतीं।

WEEKLY DAIRY

03 फरवरी

एनएचएआई के एक ठेकेदार ने चार लेन के राजमार्ग पर 24 घंटे में 2,580 मीटर लंबी पावमेंट क्वालिटी कंक्रीट (पीक्यूसी) सड़क बिछाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस दौरान 24 घंटे में कंक्रीट की सर्वाधिक मात्रा - 14,613 क्युबिक मीटर का रिकॉर्ड भी बना।

04 फरवरी

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) ने बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2021 के दौरान कंपोजिट रॉ मैटेरियल के विकास और उत्पादन के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहला मौका है जब इस तरह के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं।

05 फरवरी

शिक्षा मंत्रालय ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान में एमओई के समग्र शिक्षा के तहत वित्त पोषित आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का नाम "सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय/छात्रावास" के रूप में रखने का फैसला किया है। नेताजी के साथ इन विद्यालयों का जुड़ाव बच्चों के लिए प्रेरणा का काम करेगा।

खेल

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने 3 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सुरेश रैना, भुवनेश्वर कुमार और आरपी सिंह सहित राज्य के क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान अंडर-19 विश्व कप टीम के कप्तान प्रियम गर्ग, रिंकू सिंह और अक्षदीप नाथ को भी सम्मानित किया गया। वर्ष 2018-19 कूच बिहार ट्रॉफी विजेता टीम को बीस लाख, अंडर-19 वीनू मांकड ट्रॉफी विजेता टीम को दस लाख और वर्ष 2018-19 में महिला टी-20 विजेता टीम को दस लाख रुपये की नकद राशि दी गई।

- स्पाइस जेट के मालिक अजय सिंह एक बार फिर बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुन लिए गए हैं।
- ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के शीर्ष पुरस्कारों में पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने तीसरी बार एलेन बॉर्डर पदक जीता जबकि बेथ मूनी ने पहली बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार अपने नाम किया। स्मिथ को खेल के तीनों प्रारूपों में प्रदर्शन के लिए यह पदक मिला जबकि मूनी ने पहली बार महिला क्रिकेट में यह पुरस्कार हासिल किया। स्मिथ को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का भी पुरस्कार मिला जिन्होंने आरोन फिंच और लेग स्पिनर एडम जांपा को पछाड़ा।

नियुक्ति

- गुजरात कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रवीण सिन्हा को केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) का कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सिन्हा के नाम को स्वीकृति दी। वह इस पद पर सीबीआई प्रमुख की नियुक्ति तक बने रहेंगे।
- भारतीय मूल के अमरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति को 'कांग्रेशनल एशियन पैसिफिक अमेरिकन कॉकस' (सीएपीएसी) के महत्वपूर्ण आव्रजन कार्य बल का सह अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- कांग्रेस ने नाना पटोले को महाराष्ट्र प्रदेश पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पटोले ने एक दिन पहले ही प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष के पद से त्यागपत्र दिया था।
- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में आयोजित समारोह में नवनियुक्त राज्य मुख्य सूचना आयुक्त भवेश कुमार सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

निधन

- न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ब्रूस टेलर का निधन हो गया है। वे 77 साल के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ट्वीट कर उनके निधन की जानकारी सभी के साथ साझा की है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टेलर के निधन पर एक बयान जारी कहा कि उनके निधन से हम सभी दुखी है। वे एक मात्र क्रिकेटर थे जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट को यादगार बनाया था।
- लंबे समय तक भारतीय टेनिस से जुड़े रहे पूर्व डेविस कप कोच अख्तर अली का निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे। भारतीय डेविस टीम के वर्तमान कोच जीशान अली के पिता अख्तर ने कोलकाता में अंतिम सांस ली। वह 83 वर्ष के थे। उन्होंने 1958 से लेकर 1964 तक आठ डेविस कप मुकाबलों में हिस्सा लिया। वह भारतीय टीम के कप्तान और कोच भी रहे। **-सौरभ सिंह**

विज्ञान

- जलशक्ति मंत्रालय ने 3 फरवरी को गोवर्द्धन योजना के लिए एकीकृत पोर्टल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य मवेशियों व जैव कचरे का प्रबंधन करना और किसानों की आय बढ़ाना है। गोवर्द्धन योजना को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के दूसरे चरण के तहत प्राथमिकता कार्यक्रम के तौर पर अपनाया जा रहा है। जलशक्ति मंत्रालय ही स्वच्छ भारत मिशन को लागू कर रहा है।
- जम्मू-कश्मीर में ठीक 18 महीने बाद 5 फरवरी, 2021 को प्रशासन ने 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवा को बहाल कर दिया। केंद्र सरकार द्वारा 5 अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधान खत्म करने के बाद इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था।
- 8 से 9 फरवरी, 2021 को 60 लाख टीके लगाकर भारत इतने कम समय में इतनी बडी संख्या में कोविड टीकाकरण करने वाला दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। यह टीकाकरण 16 जनवरी, 2021 को देश भर में आरंभ किया गया था।

WEEKLYDAIRY

06 फरवरी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच पहली उच्च स्तरीय वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के रास्तों पर बातचीत की। अगली बैठक तीन महीने के अंदर आयोजित की जाएगी।

07 फरवरी

ओडिशा राज्य में अथगढ़ डिवीजनल महिला वन अधिकारी सस्मिता लेंका को यूएन के एशिया पर्यावरण प्रवर्तन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पहली बार है कि देश की किसी महिला वन अधिकारी को यह सम्मान मिला है। उन्हें 'जेंडर लीडरशिप एंड इंपैक्ट' श्रेणी में यह सम्मान मिला है।

08 फरवरी

राजस्थान में महाजन फायरिंग रेंज में भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्धाभ्यास' शुरू हुआ। चौदह दिन तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास में संयुक्त राष्ट्र के दिशा निर्देशोंके तहत उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के बारे में संयुक्त प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0545

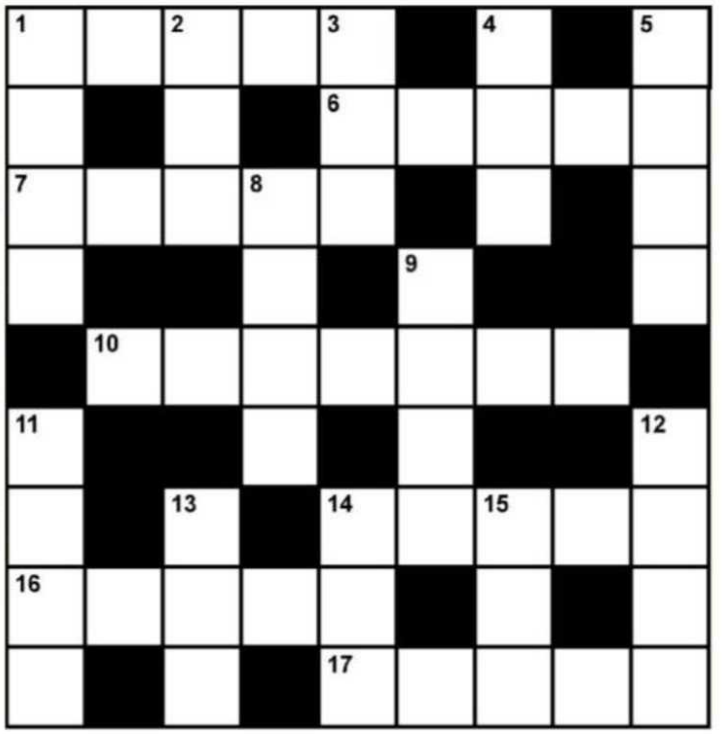

बाएं से दाएं: 7/37

1. अलौकिक तनत्राण; स्तोत्र जिसका पाठ करने से अंगरक्षा हो; देवीकवच; नारायणकवच (5)
6. वह पत्रिका जिस में विवाह और उससे संबंध रखने वाले दूसरे कृत्यों का लग्न स्थिर कर के ब्योरे वार लिखा जाता है; विवाह निमंत्रण पत्र (2,3)
7. जिसका प्रचलन, प्रयोग या व्यवहार बहुत दिन पहले से समाप्त हो गया हो; बहुत पुराना; प्राचीन काल का (5)
10. ऐसा काम करना जिसमें भारी अनिष्ट की आशंका हो; खतरे में पड़ना; जोखिम उठाना; विपत्ति में पड़ना (3,1,3)
14. विनिमय दरों के अंतर्गत देशीय मुद्रा की कीमत में कमी; सरकार द्वारा अपनी मुद्रा का विनिमय मूल्य गिराया जाना (5)
16. कंपनियों की आय पर केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला प्रत्यक्ष कर; निगमित समवाय से लिया जाने वाला कर (3,2)
17. भटक जाना; पथभ्रष्ट हो जाना; भुलावे में आ जाना; नशे में बोलते चले जाना (3,2)

ऊपर से नीचे: 12/42

1. असम की राजधानी (4)
2. अधखिला फूल; कली; अंश; भाग; एक प्रकार का बाजा (3)
3. आचार-व्यवहार आदि से संबंध रखने वाली प्रथा; रीति; व्यवहार; प्रचलन; नृत्य में एक प्रकार की चेष्टा या मुद्रा; ज्योतिष में विषुवत् की वह गति जिससे दिन और रात दोनों बराबर रहते हैं (3)
4. चार युगों में से तीसरा युग; संदेह; संशय (3)
5. वह शब्द जिसके अंत में 'द' आए (4)
8. क्रीड़ायुक्त; अभिनययुक्त (4)
9. किसी मुख्य रोग के बीच में होने वाला दूसरा विकार; आकस्मिक बाधा; उत्पात; ऊधम; गड़बड़; दंगा-फसाद (4)
11. उत्त पूर्व यूरोप में स्थित गणराज्य जसकी सीमाएं कोसोवो, मोंटेनेग्रो, यूगोस्लाविया और यूनान से मिलती हैं (4)
12. श्रद्धापूर्वक धन या सामान देना (2,2)
13. सीआरपीएफ की जन्मस्थली; वह स्थान जहां सीआरपीएफ का गठन हुआ; मध्य प्रदेश का अफीम उत्पादक क्षेत्र (3)
14. अरब देश का निवासी; सौ करोड़ की संख्या (3)
15. आधारभूत; उत्पन्न करने वाला; जनक; जिसके मूल में कुछ हो (3)

– हरीश चन्द्र सन्सी, विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0544

	1 व	2 का	ल	3 त		4 अ		5 श्या
6 हि		ला		7 वा	स्को	डि	गा	मा
8 मा	ला	बा	र			ग		प्र
ल		जा		9 अ			10 पे	सा
य		11 र	ज	नी	कां	12 त		द
13 की	ट			क		ड़		मु
गो		14 ए			15 ना	प	जो	ख
16 द	ब	क	ग	17 र		वा		जी
मे		ड़		18 स	र्व	ना	म	

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

Towards Better ENGLISH - 73

If I were you:

The expression 'if I were you' is used to give advice or guidance.

- If I were you I would start looking for another house.
- If I were you, I would do it differently.
- What I'd do if I were you is be nice to them.

Word /phrase of the week:
Spill the beans: to disclose or reveal a secret or hidden information

- I accidentally spilled the beans about his new project.
- If I spill the beans will you promise not to tell anyone else?
- Who spilled the beans about her problems?

Interesting Fact:
Origin of 'Spill the beans':

There is no clear-cut answer about the origin of idiom 'spill the beans'. The consensus is, however, that this is most likely derived from an ancient Greek voting process, which involved beans. People would vote by placing one of two colored beans in a vase, white typically meaning 'yes' and black or brown meaning 'no'. This meant that should someone spill the beans, the secret results of the election would be revealed before intended. Hence, spilling the beans is related to revealing secret information. -Encyclopædia Britannica

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

क्या आप जानते हैं?

धरती पर रहने वाले समस्त व्यक्ति को यह पता तो है कि पृथ्वी गोल है पर आपको यह जानकर बेहद ख़ुशी होगी की सूर्यसिद्धांत के भूगोल अध्याय में इसका विवरण मिलता है –

सर्वत्रैव महीगोले स्वस्थानं उपरिस्थितं मन्यते खे यतो गोलस्त्स्य क्वोधर्व क्य च व्याप्यधः

अर्थात, पृथ्वी गोल है अतः इसपर रहने वाले समस्त जीवों को यह लगता है की वह इसके उपर स्थित है जबकि पृथ्वी का केंद्र नीचे की ओर स्थित है।

आर्यभट ने 5 वी शदी में पृथ्वी के गोल होने की बात की थी जिसे पश्चिमी वैज्ञानिकों ने 14 वी शदी में में माना। आर्यभट ने 499 इसवी में लिखी अपनी पुस्तक आर्यभटीय के चौथे अध्याय के छठे श्लोक में पृथ्वी के गोल होने की बात की है

वृतभपञ्जरमध्ये कक्ष्यापरिवेष्टितः खमध्यगतः ।
मृज्ज्लशिखिवायुमयो भगोलः सर्वतो वृतः ।।

पृथ्वी एक ग्लोब जैसे गोलाकार फ्रैम के केंद्र में अंतरिक्ष में निलंबित रहता है जो ग्रहों की कक्षाओं से घिरा होता है और स्वयं इसके केंद्र में रहता है ; यह पानी, मिट्टी, आग और हवा का हिस्सा है और गोलाकार है।

पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के बारे में भी आर्यभट ने बताया । वो लिखते है की सभी वस्तुएं हमारे गृह की सतह से चिपकी हुई है जैसे गोलाकार कदम्ब के फूल की पंखुडियां।

आर्यभट ने निकोलस कॉपरनिकस से लगभग 1000 वर्ष पहले ही पृथ्वी के अपने धुरी पर घुमती है की घोषणा की और ये भी बताया की पृथ्वी के घूर्णन के कारण ही दिन और रात होते है। दक्षिण भारत के विजयनगर साम्राज्य के राजा बुक्का के दरबार में कार्यरत एक मंत्री सायन जो वैदिक साहित्यों के विद्वान माने जाते थे ने ऋग्वेद के एक श्लोक की टिप्पणी और उसपर व्याख्या कर हमे यह बताया की प्रकाश की गति 186,413.22 मील/ सेकेण्ड है।

तथा च स्मर्यते योजनानां सहस्रे द्वे द्वे शते द्वे च योजने एकेन निमिषार्धेन क्रममाण नमोस्तु ते इति

हे सूर्य, आपको नमन है। आप आधे निमिष में 2202 योजन की दुरी तय करने में सक्षम हैं।

एक योजन में 9 मील 110 गज होता है जिसका मान 9.06625 होता है। महाभारत के शांति पर्व के अनुसार आधा निमिष का मान 8/75 सेकंड होता है। अर्थात = 2202 x 9.066 मील प्रति 8/75 सेकंड= 187156.2375 प्रति सेकंड है।

अब कुछ मजेदार बात करते हैं।

एक संख्या है 555। थाई भाषा में 5 को हा कहते हैं और इस तरह जब किसी युवा को कोई हंसी के लिए या कोई मजेदार चुटकुला सुनने के बाद अपनी प्रतिक्रिया को सन्देश रूप में भेजना होता है तो वो 555 लिखते हैं।

इसी तरह एक और संख्या है जो और भी मजेदार है वो है – 666। गणित में इसे जानवर रूपी संख्या कहते है। इसे अशुभ माना जाता है और बाइबिल में इसका जिक्र भी मिलता है। शायद इसीलिए जब आप लूडो खेलते है और आपके तीन लगातार बार 6 आ जाये तो आपको अशुभ मानकर दुबारा अपना चाल चलना पड़ता है। पर इसके गणितीय और कुछ मजेदार पक्ष पर बात करें।

पहले 36 प्राकृत संख्याओं का योग 666 होता है।

1 + 2 + 3 + - - - + 36 = 666

सबसे मजे की बात ये है की इसे 1 से 9 तक के लगातार संख्याओं का प्रयोग करते हुए अनोखे रूप से लिखा जा सकता है।

666 = 9 + 87 + 6 + 543 + 21 = 123 + 456 + 78 + 9 = 1 + 2 + 3 + 4 + 567 + 89

अंत में पहले 7 अभाज्य संख्याओं के वर्गों का योग भी यही मजेदार संख्या है।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

प्रोडक्ट मैनेजमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – फुल क्रिएटिव
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 11,400 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-2294
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

ग्राफ़िक डिज़ाइन इंटर्नशिप
कंपनी – इंटरनेट डिज़ाइन ज़ोन
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 10,500 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2295
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

गेम आर्टिस्ट इंटर्नशिप
कंपनी – इंटरनेट डिज़ाइन ज़ोन
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2296
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

ऑपरेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी – सूपर सेवेन सेक्युरिटी
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 20,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2297
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – इ-स्टडीपेल
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 6,000-7,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2298
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

गूगल एडवर्ड्स इंटर्नशिप
कंपनी – शुभम प्रताप
कहां – लखनऊ
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2299
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

सोशल मीडिया मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – माइलस्टोन पेजेंट्स
कहां – लखनऊ
वेतन – 6,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2300
आवेदन की अंतिम तिथि – 14 मार्च 2021

SCHOLARSHIP ALERT

शिक्षा की उड़ान स्कॉलरशिप कार्यक्रम 2020-21

विवरण :
समस्ता माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड, जो आईआईएफएल ग्रुप की एक कंपनी है, बिहार और ओडिशा की कक्षा 10 उत्तीर्ण छात्राओं से स्कॉलरशिप आवेदन आमंत्रित करती है ताकि उन्हें उनकी उच्च माध्यमिक शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके। स्कॉलरशिप का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाली मेधावी छात्राओं की मदद करना है।

मानदंड: वह लड़कियां इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकती हैं जो बिहार और ओडिशा की निवासी हैं। उन्हें कक्षा 11 में अध्ययन कर रहे होना चाहिए। आवेदकों को कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 60% से अधिक अंक प्राप्त करने चाहिए। सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय रुपये 3,00,000 (3 लाख) से कम होनी चाहिए। उम्मीदवार जो वर्तमान में समस्ता माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक हैं या संभावित ग्राहक हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

इनाम/लाभ : रुपये 5,000

अंतिम तिथि : 15 फरवरी 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/AU/SKU1

गोदरेज इंटेरियो का 'टू साइड्स ऑफ ऑनलाइन टीचिंग'

दिल्ली: गोदरेज इंटेरियो, जो भारत का अग्रणी फर्नीचर समाधान ब्रांड है, ने अपना विशेष श्वेतपत्र - टू साइड्स ऑफ ऑनलाइन टीचिंग (ऑनलाइन अध्यापन के दो पहलू) जारी किया। महामारी के चलते शिक्षा का माध्यम ऑनलाइन हो चुका है। ऑनलाइन शिक्षा की प्रगतियों, इसके फायदों व नुकसानों, घर से पढ़ाने वाले शिक्षकों की जीवनशैली पर पड़ने वाले प्रभावों के निहितार्थ के अध्ययन के लिए, गोदरेज इंटेरियो के वर्कस्पेस एंड अर्गोनॉमिक रिसर्च सेल ने देशव्यापी अध्ययन किया। इस अध्ययन में विभिन्न निजी, सरकारी और अर्द्ध-सहायताप्राप्त शिक्षण संस्थानों के 300 से अधिक शिक्षकों के विचारों को शामिल किया गया। चूंकि शिक्षक घर के अधिक नियंत्रित एवं सुरक्षित वातावरण से काम करते हैं, इसलिए उनका न केवल आवागमन का समय बचता है बल्कि उन्हें अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का अवसर भी मिलता है। शिक्षकों को उनकी डिजिटल जानकारी को बढ़ाने का मौका मिलता है और वो अपनी वर्चुअल कक्षा पर बेहतर नियंत्रण रखने के साथ-साथ संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग करते हैं।

अध्ययन के अनुसार, ऑनलाइन पढ़ाने वाले 72 प्रतिशत शिक्षकों को शरीर दर्द का अनुभव होता है...

10वीं/12वीं के लिए "शिक्षा से समृद्धि" स्कॉलरशिप

विवरण : पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड (पीवीपीएल), तिपहिया समुदाय के ड्राइवरों / मालिकों के बच्चों से आवेदन आमंत्रित करता है जिन्होंने कक्षा 10/12 पास की है। यह स्कॉलरशिप कक्षा 11/12/आईटीआई/ पॉलिटेक्निक/डिप्लोमा/स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की पढाई में सहयोग करती है।

मानदंड : यह स्कॉलरशिप थ्री-व्हीलर समुदाय के ड्राइवरों/मालिकों के बच्चों/वार्डों को दी जाती है। आवेदकों को कम से कम 55% अंकों (कक्षा 11/12 में पढ़ाई के लिए 60% अंक) के साथ कक्षा 10/12 उत्तीर्ण होना चाहिए। उन्हें भारत में मान्यता प्राप्त संस्थानों में कक्षा 11/12/आईटीआई/पॉलिटेक्निक/डिप्लोमा/स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत होना चाहिए। उनके पारिवार की वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख (3,00,000) रुपये से कम या इसके बराबर होनी चाहिए।

इनाम/लाभ: कुल फीस अदायगी का 80% या अधिकतम प्रति वर्ष रुपये 20,000 तक।

अंतिम तिथि: 28 फरवरी 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/AU/PSD1

टाटा ट्रस्ट मेडिकल एंड हेल्थ केयर स्कॉलरशिप्स- 2020-21

विवरण : टाटा ट्रस्ट्स उन छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है जो भारतीय संस्थानों में मेडिकल और हेल्थकेयर विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करना चाहते हैं। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य मेधावी छात्रों के शैक्षणिक सपनों को पूरा करने में मदद करना है।

मानदंड : यह स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है जो हेल्थकेयर और मेडिकल साइंसेज के विषयों में यूजी या पीजी कार्यक्रमों में नामांकित हैं। आवेदक भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से यूजी की पहले साल की पढ़ाई पूरी कर चुके हों या पीजी कार्यक्रम के पहले साल में नामांकित हों। आवेदक को पढ़ाई के संबंधित विषय के लिए न्यूनतम योग्यता "एग्जाम स्कोर क्राइटेरिया'(मानदंड)" पास होना चाहिए।

अंतिम तिथि : 15 फरवरी 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/TTM8